

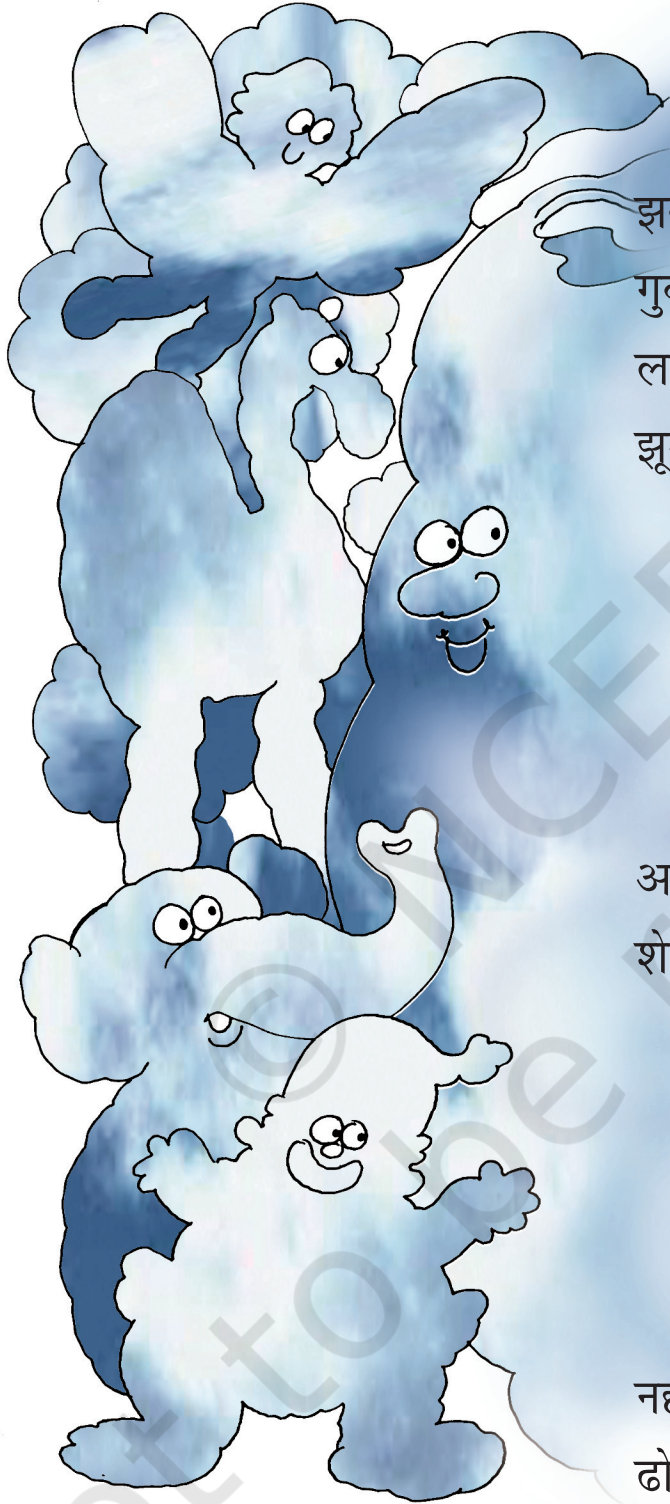


1

मन के भोले-भाले बादल



0423CH01



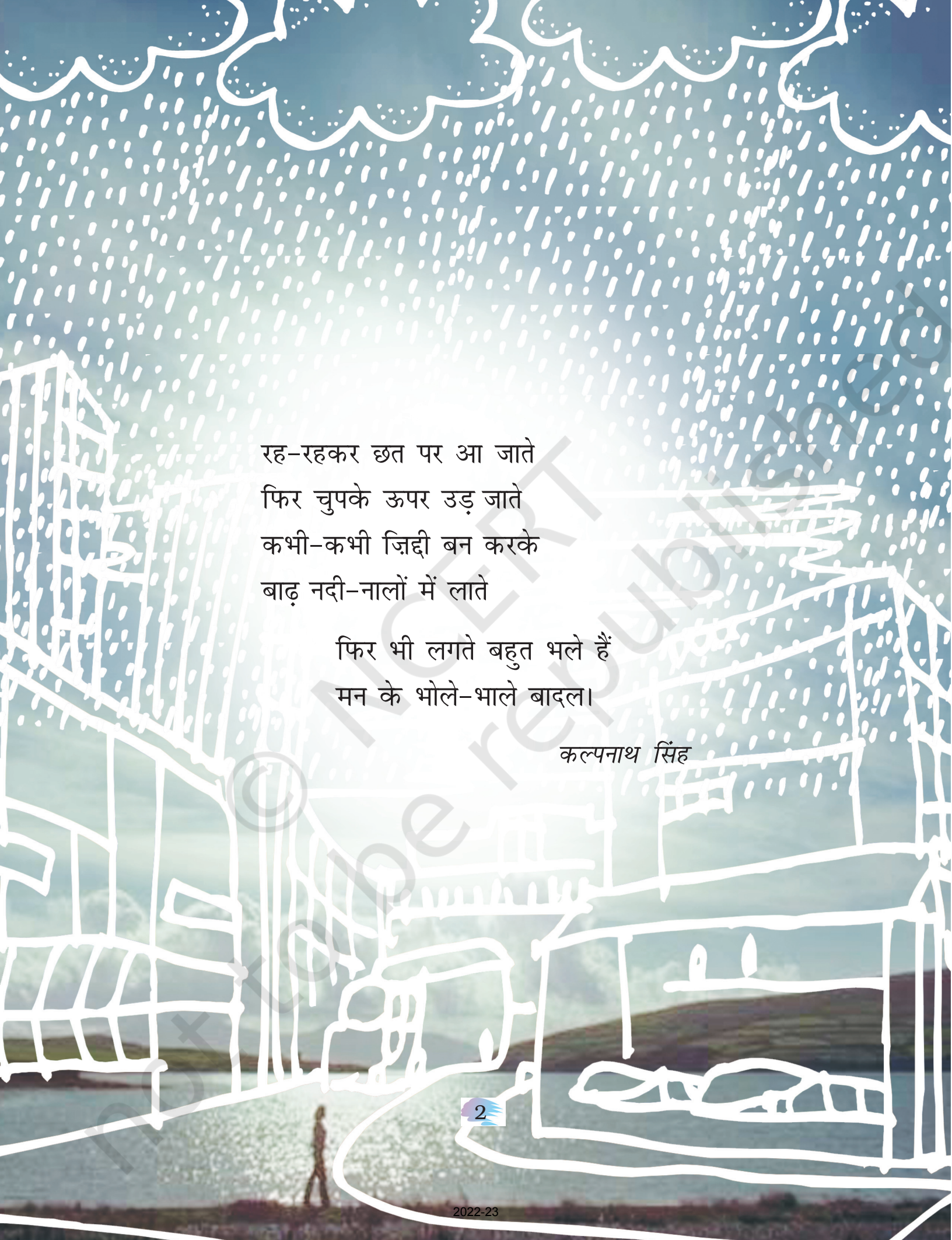
झब्बर-झब्बर बालों वाले
गुब्बारे से गालों वाले
लगे दौड़ने आसमान में
झूम-झूम कर काले बादल।

कुछ जोकर-से तोंद फुलाए
कुछ हाथी-से सूँड़ उठाए
कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले
कुछ परियों-से पंख लगाए

आपस में टकराते रह-रह
शेरों से मतवाले बादल।

कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी
कुछ रह-रह करते शैतानी
कुछ अपने थैलों से चुपके
झर-झर-झर बरसाते पानी

नहीं किसी की सुनते कुछ भी
ढोलक-ढोल बजाते बादल।



रह-रहकर छत पर आ जाते
फिर चुपके ऊपर उड़ जाते
कभी-कभी ज़िद्दी बन करके
बाढ़ नदी-नालों में लाते

फिर भी लगते बहुत भले हैं
मन के भोले-भाले बादल।

कल्पनाथ सिंह



तुम्हारी समझ से

कभी कभी ज़िद्दी बन करके
बाढ़ नदी-नालों में लाते

(क) बादल नदी-नालों में बाढ़ कैसे लाते होंगे?

नहीं किसी की सुनते कुछ भी
ढोलक-ढोल बजाते बादल

(ख) बादल ढोल कैसे बजाते होंगे?

कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी
कुछ रह-रह करते शैतानी

(ग) बादल कैसी शैतानियाँ करते होंगे?



कैसा-कौन

	कैसा	कौन
सूरज-सी	चमकीली	थाली
चंदा -सा		
हाथी-सा		
जोकर-सा		
परियों-सा		
गुब्बारे-सा		
ढोलक-सा		



कविता से आगे

- (क) तूफ़ान क्या होता है? बादलों को तूफ़ानी क्यों कहा गया है?
- (ख) साल के किन-किन महीनों में ज़्यादा बादल छाते हैं?
- (ग) कविता में 'काले' बादलों की बात की गई है। क्या बादल सचमुच काले होते हैं?
- (घ) कक्षा में बातचीत करो और बताओ कि बादल किन-किन रंगों के होते हैं।



कैसे-कैसे बादल

- (क) तरह-तरह के बादलों के चित्र बनाओ।

काले-काले डरावने

गुब्बारे-से गालों वाले

हल्के-फुल्के सुहाने

(ख) कविता में बादलों को 'भोला' कहा गया है। इसके अलावा बादलों के लिए और कौन-कौन से शब्दों का इस्तेमाल किया गया है? नीचे लिखे अधूरे शब्दों को पूरा करो।

म ज़ि

शै तू



बारिश की आवाज़ें

कुछ अपने थैलों से चुपके
झर-झर-झर बरसाते पानी
पानी के बरसने की आवाज़ है झर-झर-झर!
पानी बरसने की कुछ और आवाज़ें लिखो।

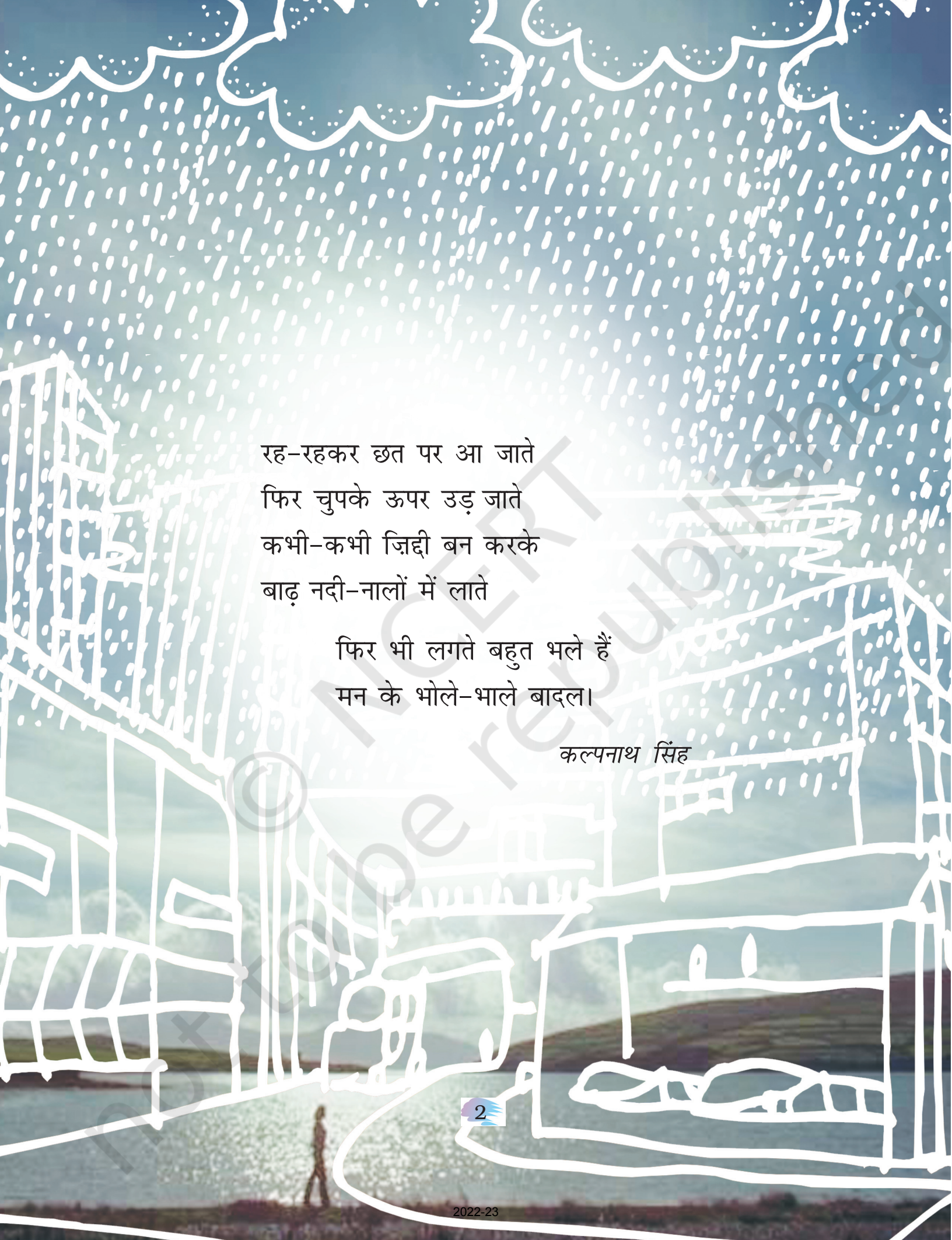
.....	
.....	
.....	



कैसे-कैसे पेड़

बादलों की तरह पेड़ भी अलग-अलग आकार के होते हैं। कोई बरगद-सा फैला हुआ और कोई नारियल के पेड़ जैसा ऊँचा और सीधा।

अपने आसपास अलग-अलग तरह के पेड़ देखो। तुम्हें उनमें कौन-कौन से आकार दिखाई देते हैं? सब मिलकर पेड़ों पर एक कविता भी तैयार करो।



रह-रहकर छत पर आ जाते
फिर चुपके ऊपर उड़ जाते
कभी-कभी ज़िद्दी बन करके
बाढ़ नदी-नालों में लाते

फिर भी लगते बहुत भले हैं
मन के भोले-भाले बादल।

कल्पनाथ सिंह



तुम्हारी समझ से

कभी कभी ज़िद्दी बन करके
बाढ़ नदी-नालों में लाते

(क) बादल नदी-नालों में बाढ़ कैसे लाते होंगे?

नहीं किसी की सुनते कुछ भी
ढोलक-ढोल बजाते बादल

(ख) बादल ढोल कैसे बजाते होंगे?

कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी
कुछ रह-रह करते शैतानी

(ग) बादल कैसी शैतानियाँ करते होंगे?



कैसा-कौन

	कैसा	कौन
सूरज-सी	चमकीली	थाली
चंदा -सा		
हाथी-सा		
जोकर-सा		
परियों-सा		
गुब्बारे-सा		
ढोलक-सा		



कविता से आगे

- (क) तूफ़ान क्या होता है? बादलों को तूफ़ानी क्यों कहा गया है?
- (ख) साल के किन-किन महीनों में ज़्यादा बादल छाते हैं?
- (ग) कविता में 'काले' बादलों की बात की गई है। क्या बादल सचमुच काले होते हैं?
- (घ) कक्षा में बातचीत करो और बताओ कि बादल किन-किन रंगों के होते हैं।



कैसे-कैसे बादल

- (क) तरह-तरह के बादलों के चित्र बनाओ।

काले-काले डरावने

गुब्बारे-से गालों वाले

हल्के-फुल्के सुहाने

(ख) कविता में बादलों को 'भोला' कहा गया है। इसके अलावा बादलों के लिए और कौन-कौन से शब्दों का इस्तेमाल किया गया है? नीचे लिखे अधूरे शब्दों को पूरा करो।

म ज़ि

शै तू



बारिश की आवाज़ें

कुछ अपने थैलों से चुपके
झर-झर-झर बरसाते पानी
पानी के बरसने की आवाज़ है झर-झर-झर!
पानी बरसने की कुछ और आवाज़ें लिखो।

.....	
.....	
.....	



कैसे-कैसे पेड़

बादलों की तरह पेड़ भी अलग-अलग आकार के होते हैं। कोई बरगद-सा फैला हुआ और कोई नारियल के पेड़ जैसा ऊँचा और सीधा।

अपने आसपास अलग-अलग तरह के पेड़ देखो। तुम्हें उनमें कौन-कौन से आकार दिखाई देते हैं? सब मिलकर पेड़ों पर एक कविता भी तैयार करो।